राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को प्रकाशोत्सव के पावन पर्व दीपावली पर समस्त प्रदेशवासियों की ओर से शुभकामनाएं देते हुए देशवासियों की खुशहाली की कामना की।

कैलादेवी से लौट रहे आगरा के एक दम्पत्ति की हत्या

सुबह 8 बजे पति-पत्नी का शव कार में लहुलूहान हालत में मिला

करौली, 30 अक्टूबर (नि.स.)। करौली जिले में कैलामाता के दर्शन कर लौट रहे पति-पत्नी की बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी। बुधवार प्रात: 8:00 बजे ग्रामीणों को दोनों के शव कार में लहूलुहान हालत में मिले। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी

मामला मासलपुर थाना इलाके के भोजपुर गांव का है। कार में मिली आई.डी. से दोनों की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के सांथा किरावली निवासी विकास (22) पुत्र जितेंद्र और दीक्षा (18) पुत्री सियाराम के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शव करौली जिला अस्पताल की मॉर्चरी में रखवाए और परिजनों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार जनों के सुपुर्द कर दिये।

बताया जा रहा है कि मृतक विकास और दीक्षा कि 9 महीने पहले शादी हुई थी। करौली पुलिस

■ विकास और दीक्षा की शादी 9 माह पूर्व ही हुई थी। वे कैलादेवी दर्शन कर लौट रहे थे। दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान तथा कार में कारतूस के खोखे मिले।

उपाधीक्षक अनुज शुभम ने बताया कि बुधवार प्रात: करीब 8:00 बजे भोजपुर के पास एक कार में पुरुष और महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची मासलपुर थाना पुलिस ने देखा कि दोनों की गोली मारकर हत्या की गई थी। शरीर पर गोलियों के निशान थे। कार और घटना स्थल पर कारतूस के खोखे पड़े मिले हैं। कार में मिली आईडी से पता चला कि विकास और दीक्षा पति-पत्नी थे।

हादसे की सूचना पर करौली पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एफ.एस.एल. टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए हैं। कार को जब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया, विकास के दो गोली लगीं जबकि, दीक्षा को एक गोली लगी थी। पुलिस घटना को लेकर सभी एंगल से जांच कर रही है। मृतका के पिता ने बताया कि कार में कुछ लोग साथ थे।

विकास और दीक्षा मंगलवार दोपहर 1:00 बजे कैलादेवी के लिए निकले थे।

दीक्षा के पिता सियाराम ने बताया कि मंगलवार शाम चार बजे दीक्षा से बात हुई थी, तब सब ठीक था। वे कैलादेवी से दर्शन कर लौट रहे थे। उनकी शादी करीब 9 महीने पहले हुई थी। सियाराम ने बताया कि कुछ और लोगों के भी विकास और दीक्षा के साथ कार में आने की सूचना थी।

25.75 लाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठकर जटवाडा से मोहनपुरा जा रहा था। इस दौरान पंचमुखी मंदिर के पास से कार चालक ने तेज गति और लापरवाही से कार को चलाते हुए पीछे से मोटरसाइकिल के टक्कर मार दी, जिससे उसके सिर और अन्य जगहों पर गंभीर चोटें आईं।

'पराली जलाने से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर.एस.) के डेटा के अनुसार, 2018 से लेकर मध्य अक्टूबर, 2024 तक 51 प्रतिशत कम हो गया है।

– इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटिअरॉलजी (आई.आई. टी. एम.) के अनुसार इस साल 12 अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच, स्टबल बर्निंग (पराली जलाना) की दिल्ली के पी.एम. 2.5 स्तर में भूमिका केवल .92 प्रतिशत ही पाई गई है।

कमला हैरिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि प्रमुख मुद्दों पर ट्रम्प को हैरिस पर बढ़त प्राप्त है। अर्थशास्त्र व रोजगार पर अप्रोच के बारे में पूछे जाने पर 47 प्रतिशत ने ट्रम्प को व 37 प्रतिशत ने हैरिस के प्रति रुझान दर्शाया था। इम्मिग्रेशन पर भी 48 प्रतिशत लोगों ने ट्रम्प को पसंद किया और 33 प्रतिशत ने हैरिस को।

कैनडा ने अचानक इतना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की खूब कोशिशें करलीं तथा इस संबंध में भारत को विभिन्न प्रलोभन भी दिये गये। लेकिन इन तमाम कोशिशों के बावजूद, भारत, रूस के साथ दोस्ती जारी रखने की अपनी नीति पर कायम रहा है। भारत ने अभी पिछले सप्ताह ही ब्रिक्स सम्मेलन के अवसर पर रूसी राष्ट्रपति के साथ विचार-विमर्श एवं दोस्ताना बातचीत की थी। भारत ने चीन के साथ हिमालयी सीमाओं पर अपने मतभेदों को लेकर, चीन के साथ एक प्रकार का समझौता किया है। हालांकि, समझौते का जो रूप सामने आया, उससे सारे मुद्दों का समापन नहीं हो रहा, फिर भी दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हो गये हैं कि सीमा पर आमने-सामने खड़ी दोनों देशों की सेनाओं हटा लेने के लिए कार्यक्रम तैयार किया जाये। यह एक नया घटनाक्रम है, जो भारत को रूस-चीन ग्रुप के साथ खड़ा करता है तथा रूस-चीन ग्रुप पश्चिमी प्रभुत्व दुनिया पर पश्चिमी दबदबे के जारी रहने के लिए सबसे बड़ा खतरा एवं संकट है। पृष्ठभूमि में कुछ भी रही हो, लेकिन कैनडा के ये भड़काने वाले बयान भारत और पश्चिमी गठबंधन के बीच के रिश्तों को खराब कर रहे हैं। इन घटनाक्रमों के बाद, पश्चिमी ताकतों, खासतौर पर अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों के बारे सजग रहना होगा।

'कैनडा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनती है कि इससे अन्य अपराधों का होना आसान हो जायेगा, जिन अपराधों में इस अपराधी तथा उसके सहयोगियों द्वारा की जाने वाली लूट-खसोट भी शामिल है। कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिज ट्रूडो द्वारा सिक्ख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की लिप्तता के बारे में आरोप लगाये जाने के बाद, इस बिन्दु को लेकर भारत-कैनडा सम्बन्धों में कड़वाहट तो आ गई थी, लेकिन यह पहला अवसर है, जब कैनडा ने भारतीय गृह मंत्री की लिप्तता को लेकर, उन पर सीधा आरोप लगाया है। "रॉयल कैनेडियन माउन्टेड पुलिस" जो कैनडा में भारतीय कार्यवाहियों की जाँच-पड़ताल कर रही है, ने अभी तक सार्वजनिक रूप से अमित शाह पर आरोप लगाया है। जब कैनड़ा सरकार ने डिप्लोमैटिक वेबर के तहत, भारत के छ: राजनयिकों, जिनमें पूर्व हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा भी शामिल थे, को निज्जर की हत्या में "पर्सन्स ऑफ इन्ट्रेस्ट" मानते हुये भारत वापस भेज दिया था, उसके बाद दोनों देशों के बीच के कूटनीतिक गतिरोध काफी बढ़ गया है।

राजनैतिक अनिश्चितता से जूझ रहा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हासिल हो गया था। यह स्थिति बदल गई और इस वर्ष अक्टूबर में इनफ्लेशन रेट 3 प्रतिशत हो गई। इसका स्वागत किया जाना चाहिए था। लेकिन वास्तव में इसका विरोध हुआ लोगों ने कीमतें बढ़ने का विरोध किया क्योंकि उन्होंने कभी महंगाई नहीं देखी थी।

दूसरे जापान में वेतन की दरें स्थिर रही उसमें वर्षों से वृद्धि नहीं हुई थी। निवर्तमान शिगेरू सरकार ने वेतन वृद्धि का समर्थन किया कंपनियों से वेतन बढ़ाने को कहा। यह भी जापान की अर्थव्यवस्था में बदलाव का एक अंग था।

जापान ने आजीवन रोजगार की संस्कृति देखी हैं। लोग जब कोई काम या नौकरी करते थे तो आजीवन वही काम करते थे। पर हाल ही में यह चलन बदल रहा है। युवा वर्ग नौकरी भी बदल रहे हैं और ज्यादा वेतन के लिए सौदेबाजी भी कर रहे हैं।

शिगेरू सरकार ने भी इस विचार का समर्थन किया उन्होंने वेतन बढ़ाने और रोजगार प्रदाताओं में टैलेंट के लिए प्रतिस्पर्धा का समर्थन किया इसके पीछे आईडिया यह था कि वेतन बढ़ने और मूल्य वृद्धि से उपभोक्ता बचत करने की बजाय अपनी आय खर्च करना शुरू करेंगे। बचत की बजाय खर्च करने से ग्रोथ और विकास में वृद्धि होती है।

जापानी अर्थव्यवस्था की अंतिम खासियत रही बढ़ता सार्वजनिक कर्ज और उस पर बढ़ता ब्याज। जापान का सार्वजनिक कर्ज देश की जीडीपी से भी काफी अधिक है।

सरकार इस बात को जानती है, और इससे निपटने पर विचार कर रही है। एक तरीका है टैक्स बढ़ाया जाए। वस्तुओं की खपत पर टैक्स लगाने के साथ-साथ बिक्री का भी प्रस्ताव किया गया। लेकिन इन कदमों का भारी विरोध किया गया। वस्तुत: जापानी संघीय सरकार मुश्किल में फंस गई है। इन आर्थिक बुराइयों का प्रतिकार करने के उसके प्रयासों से नाराजगी पैदा हो रही है।

इनके साथ ही, निजी लाभ के लिए राजनैतिक भ्रष्टाचार भी उजागर हुआ। असल में, ऐसा हुआ था। जब कीमतें बढ़ रही थीं तथा सार्वजनिक वित्त ऋण के बोझ से चरमरा रहा था, राजनेता जनता की कीमत पर अपने घर भर रहे थे। और पैसा बटोर रहे थे।

सत्तारूढ़ दल ने राजनैतिक फंडिंग बढ़ा दी, लेकिन यह चीज सामने आई कि इन फंड्स का कुछ हिस्सा कानून-निर्माताओं की तिजोरियों में पहुंच रहा था। इन घोर अनियमितताओं की जानकारी मिलने पर, सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ जनता में जबरदस्त प्रतिक्रिया पैदा हुई।

प्रधानमंत्री की टालमटोल से भी अनिश्चितता की भावना जनता तक पहुंची। यहां तक कि, कुछ सामान्य तथा निर्दोष लगने वाले मुद्दे भी लोगों में चिढ़ पैदा करने लगे, जबकि सामान्य परिस्थिति में ऐसा नहीं होता। प्रधानमंत्री ने इस बिन्दु को लेकर भी चर्चा छेड़ दी कि महिलाओं को शादी के बाद भी, अपना शादी से पहले वाला सरनेम ही रखने की अनुमति होनी चाहिए। लेकिन उन्हें अपने इस वादे से पीछे हटना पड़ा तथा कहना पड़ा कि इस मुद्दे पर और विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

सुरक्षा मामलों में भी, प्रधानमंत्री इतने ही अनिश्चित किन्तु दृढ़ बने रहे। रक्षा मंत्री के रूप में, शिगेरू ने मजबूत तथा दृढ़ जापान का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने यहां तक कहा था कि पश्चिमी गठबंधन "नाटो" के समकक्ष एशियाई गठबंधन बनाया जायेगा।

लेकिन उनके इस विचार को अमेरिका का समर्थन नहीं मिला तथा इसलिए, यह विचार एकाएक छोड़ दिया गया। जापानी सुरक्षा बलों तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के विचार पर भी आगे वांछित ध्यान नहीं दिया गया, फॉलो अप नहीं हुआ।

फिर भी, प्रधानमंत्री ने इस्तीफा देने की बात खारिज कर दी है। वे, जैसे भी हो, एक नया गठबंधन बनाने तथा गठबंधन सरकार चलाने की आशा संजोये हुए हैं। इससे उन पर बहुत बोझ पड़ जायेगा। उनके अन्य साथी भी इससे कुछ काम लेने के बारे में सोच रहे हैं।

निष्कर्ष की बात यह है कि जापान में फिलहाल राजनैतिक अनिश्चितता की स्थिति रहेगी लेकिन विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए यह कोई बहुत अच्छी बात नहीं कही जायेगी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908